

101

301(ZG)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

- नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
- ii) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) द्विवेदी युग के साहित्यकार हैं

- i) बालकृष्ण भट्ट
- ii) महादेवी वर्मा
- iii) पद्म सिंह शर्मा
- iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

1

301(ZG)

2

ख) राम प्रसाद निरञ्जनी रचयिता हैं

- i) मेरी असफलताएँ
- ii) अम्बपाली
- iii) भाषा योग वाशिष्ठ
- iv) राजदीप ।

1

ग) 'मेरी जीवन यात्रा' की विधा है

- i) नाटक
- ii) संस्मरण
- iii) उपन्यास
- iv) जीवनी ।

1

घ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक हैं

- i) मोहन राकेश
- ii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- iii) नन्द दुलारे बाजपेयी
- iv) जयशङ्कर प्रसाद ।

1

ङ) हिन्दी गद्य के उत्कर्ष का सूर्योदय काल था

- i) द्विवेदी युग
- ii) भारतेन्दु युग
- iii) शुक्ल युग
- iv) स्वातन्त्र्योत्तर युग ।

1

J28746

[Turn over

J28746

2. क) प्रगतिवादी युग के कवि हैं

- i) जयशङ्कर प्रसाद
- ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- iii) श्रीधर पाठक
- iv) सरदार पूर्ण सिंह ।

1

ख) महादेवी वर्मा की रचना है

- i) सान्ध्य गीत
- ii) पल्लव
- iii) चाँद का मुँह टेढ़ा
- iv) धूप के धान ।

1

ग) 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है

- i) 1954
- ii) 1943
- iii) 1938
- iv) 1936.

1

घ) 'नई कविता' काव्य संकलन के सम्पादक हैं

- i) रामेश्वर शुक्ल और डॉ० रामविलास शर्मा
- ii) डॉ० जगदीश गुप्त और रामस्वरूप चतुर्वेदी
- iii) बालकृष्ण शर्मा और रामधारी सिंह 'दिनकर'
- iv) अज्ञेय और शिवमंगल सिंह 'सुमन' ।

1

ड) 'कश्मीर सुषमा' के रचयिता हैं

- i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- ii) नागार्जुन
- iii) मैथिलीशरण गुप्त
- iv) श्रीधर पाठक ।

1

3. क) निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़ बन्धन है । इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है । इसी चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है । इसी मर्यादा को मानकर

राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है । जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है । माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है । वह एक निष्कारण धर्म है ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) किस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है ?
- iii) किस मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है ?
- iv) किसे पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है ?
- v) पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य क्या है ?

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है । संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है । उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है । वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं है । इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) किसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है ?
- iii) किसके कारण नयी सांस्कृतिक हलचलें उद्भूत होती हैं ?
- iv) सांस्कृतिक हलचलें किसके लिए पर्याप्त नहीं हैं ?
- v) किसके लिए नये शब्दों के खोज की महती आवश्यकता है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 2 = 10$

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन हैं, हमहूँ पहचानती हैं ।

पै बिना नैदलाल बिहाल सदा 'हरिचन्द' न ज्ञानहिं
ठानती हैं ।

तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछू नहिं
जानती हैं ।

पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अखियाँ दुखियाँ नहिं
मानती हैं ॥

- उपर्युक्त पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।
- गोपियाँ भली प्रकार किसके विषय में जानती हैं ?
- सर्वव्यापक कौन है ?
- किसको छोड़कर किसे ज्ञान-चर्चा रुचिकर नहीं लगती ?
- गोपियों की दुःखियाँ आँखें क्या स्वीकार नहीं करती ?

अथवा

हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,
प्रत्येक सुस्मित में विमल सदानीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में
महाकाव्य-पीड़ा है ।

- पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।
 - संसार में प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा में क्या है ?
 - प्रत्येक व्यक्ति की मुस्कान किसके समान है ?
 - प्रत्येक व्यक्ति की वाणी में क्या समझाई हुई है ?
 - मैं क्या दे-देकर उस पीड़ा का स्रोत खोज रहा हूँ ?
5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक की जीवनी, साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं तथा भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए : $3 + 2 = 5$
- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
 - डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
 - प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ।
- ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : $3 + 2 = 5$
- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
 - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
 - नरेन्द्र शर्मा ।

6. कहानी के प्रमुख तत्वों के आधार पर 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'बहादुर' कहानी की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 5

अथवा

'पञ्चलाइट' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

ग) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर सम्राट हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

- घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड - ख

8. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

क) यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् ।
अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी
उवाच - येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् ।
यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनम् जानाति,
तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच - प्रिया नः सती
त्वं प्रियं भाषसे । एहि, उपविश, व्याख्यास्यामि ते
अमृतत्वसाधनम् ।

अथवा

यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य
कनीयसी भगिनी विषूचिकया पञ्चत्वं गता ।
वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवंगतः ।
द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि-कथमहं
कथं वायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति
चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः
प्रज्वलितः । एकस्मिन् दिवसे अस्तंगते भगवति
भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत् ।

ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$
अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि ।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः ॥

अथवा

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः
न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः सश्रयन्ते ।
विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं
द्रवति च हिमरश्मावुदगते चन्द्रकान्तः ॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : $2 + 2 = 4$

- भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा च भाषा का अस्ति ?
- वसन्तकाले वृक्षाः कीदृशाः भवन्ति ?
- वैवस्वतः मनुः कः आसीत् ?
- भारत-चीन-देशौ कस्मिन् धर्मे निष्ठावन्तौ ?

- ✓ 10. क) करुण अथवा शान्त रस की परिभाषा देते हुए उसका एक उदाहरण भी दीजिए । $1 + 1 = 2$
- ख) अनुप्रास अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण भी लिखिए । $1 + 1 = 2$
- ग) हरिगीतिका अथवा इन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण लिखते हुए एक उदाहरण का भी उल्लेख कीजिए । $1 + 1 = 2$
11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : $2 + 7 = 9$
- जनसंख्या वृद्धि : समस्या और समाधान
 - वन-सम्पदा
 - साहित्य समाज का दर्पण है
 - भारत में आतङ्कवाद : समस्या और समाधान
 - विज्ञान - वरदान है या अभिशाप ।
12. क) i) 'पवित्रम्' का सन्धि-विच्छेद है
- अ) प + वित्रम्
 - ब) पौ + इत्रम्
 - स) पो + इत्रम्
 - द) पव + इत्रम् ।

- ii) 'योद्धा' का सन्धि-विच्छेद है
- अ) यो + द्धा
 - ब) योध् + धा
 - स) युद्ध + द्धा
 - द) यूध् + धा ।
- 1
- iii) 'मनोरथः' का सन्धि-विच्छेद है
- अ) मनो + रथः
 - ब) मन + ओरथः
 - स) मनोर् + थः
 - द) मनस् + रथः ।
- 1
- ख) i) 'उपगङ्गम्' में समास है
- अ) कर्मधारय समास
 - ब) तत्पुरुष समास
 - स) अव्ययीभाव समास
 - द) बहुव्रीहि समास ।
- 1
- ii) 'नीलाश्वः' में समास है
- अ) कर्मधारय समास
 - ब) बहुव्रीहि समास
 - स) द्वन्द्व समास
 - द) तत्पुरुष समास ।
- 1

13. क) i) 'जगति' रूप है 'जगत्' शब्द का

अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

ii) 'येषाम्' रूप है यद् (पुँलिङ्ग) शब्द का

अ) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

द) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन । 1

ख) 'दत्थः' अथवा 'नेष्यामः' का धातु, लकार, पुरुष
तथा वचन लिखिए : $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 2$

ग) i) 'करणीयः' शब्द में प्रत्यय है

अ) अनीयर्

ब) क्त्वा

स) तव्यत्

द) क्त । 1

ii) 'प्रभुत्व' शब्द में प्रत्यय है

अ) मतुप्

ब) त्व

स) वतुप्

द) अनीयर् । 1

घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति
तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए :

$$1 + 1 = 2$$

i) विद्यालयं निकषा जलाशयः अस्ति ।

ii) सुरेशः शिरसा खल्वाटः ।

iii) प्रजाभ्यः स्वस्ति ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में
अनुवाद कीजिए : $2 + 2 = 4$

i) गुरुजी छात्र से प्रश्न पूछते हैं ।

ii) पिता पुत्र के साथ जाता है ।

iii) छात्र घर से आते हैं ।

iv) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ हैं ।

301(ZG) - 1,60,000